भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2508
दिनांक 10 अगस्त 2026

ई20 ईंधन को लागू किया जाना

2508 **श्री पवन खेड़ा:**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश भर में ई20 अनुकूल और ई20 गैर-अनुकूल पेट्रोल वाहनों की वाहन-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने ई20 अनुकूलता से पहले निर्मित वाहनों पर ई20 ईंधन के प्रभाव की स्वतंत्र जांच की है, यदि हाँ, तो क्या इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है;

(ग) ई20 गैर-अनुकूल वाहनों के मालिकों के लिए देश भर में शुद्ध पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित न करने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने पुराने वाहनों के मालिकों पर ई20 ईंधन अपनाए जाने के फलस्वरूप पड़ने वाले आर्थिक बोझ का आकलन किया है; और

(ङ) इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का कार्यान्वयन करते समय उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ) एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज़), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) और अन्य तकनीकी संस्थानों को शामिल करते हुए एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से मान्य और परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से लागू किया गया है।

एथेनॉल नया ईंधन नहीं है। इसका उपयोग विश्व स्तर पर एक सदी से अधिक समय से हो रहा है, और ब्राजील जैसे देश दशकों से उच्च एथेनॉल मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं। भारत में, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ, 2006 में ई5 को पेश किया गया, और यद्यपि 2013-14 में मिश्रण लगभग 1.53% रहा, आवश्यक उत्पादन क्षमता, बुनियादी ढांचे और नियामक ढांचे के निर्माण के बाद इसे धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से बढ़ाया गया है।

एआरएआई, एसआईएएम, आईओसीएल, आईआईपी और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों और क्षेत्र परीक्षणों ने इंजन की टिकाऊपन, ड्राइव करने की क्षमता, स्टार्ट करने की क्षमता, संक्षारण प्रतिरोध, सामग्री अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे मापदंडों को कवर करते हुए पुष्टि की है कि ई20 निर्धारित मानकों के तहत उपयोग के लिए सुरक्षित है।

ऑटोमोबाइल निर्माताओं, घटक आपूर्तिकर्ताओं, एसआईएएम, एआरएआई, परीक्षण एजेंसियों और तेल विपणन कंपनियों को वैज्ञानिक मूल्यांकन और ई20 के चरणबद्ध रोलआउट के साथ जोड़ा गया था। ई20 को ईंधन प्रणालियों, इंजन स्थायित्व, ड्राइव करने की क्षमता, उचित सामग्री अनुकूलता और उत्सर्जन प्रदर्शन के सत्यापन के बाद ही रोल आउट किया गया था और ई20 के कारण प्रदर्शन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता या असामान्य टूट-फूट नहीं थी।

व्यापक परीक्षण के बाद ऑटोमोबाइल उद्योग द्वारा वैज्ञानिक रूप से मान्य और स्वीकार किए जाने के बाद, ई0/ई10 पेट्रोल पर वापस जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सार्वजनिक नीति का उद्देश्य एक बेहतर ईंधन के साथ आगे बढ़ना है, न कि एक हीन मानक पर वापस जाना।

एक लाख से अधिक खुदरा दुकानों में ई0, ई10 और ई20 पेट्रोल के लिए समानांतर राष्ट्रव्यापी आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने से लॉजिस्टिक्स जटिलता, इन्वेंट्री और हैंडलिंग लागत में काफी वृद्धि होगी। सार्वजनिक नीति को उपभोक्ता सुविधा को ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण स्थिरता और किसान कल्याण के साथ संतुलित करना चाहिए।

एक बार जब एक स्वच्छ और वैज्ञानिक रूप से मान्य ईंधन को अपनाया जाता है, तो उद्देश्य बेहतर तकनीक के साथ आगे बढ़ना है, न कि एक हीन मानक पर वापस जाना।

ई15 + मिश्रित पेट्रोल का व्यापक उपयोग साढ़े तीन वर्षों से और ई19-ई20 ईंधन का उपयोग ढाई वर्षों से किया जा रहा है। 20 करोड़ से अधिक दुपहिया और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें एथेनाल मिश्रण के कारण व्यापक इंजन विफलता या वाहन ब्रेकडाउन के बिना इन मिश्रणों पर काम कर रही हैं। ओएमसीज़ के साथ साझा किए गए निर्माता सेवा डेटा ने ई20 ईंधन के कारण वाहन के जीवनकाल में किसी भी असामान्य क्षरण, घिसाव या कमी का संकेत नहीं दिया है। निर्माता ई20 ईंधन का उपयोग करने वाले वाहनों के लिए वारंटी दायित्वों का सम्मान करना जारी रखते हैं, जो इसकी सुरक्षा और विश्वसनीयता में और अधिक विश्वास प्रदान करते हैं।

उपभोक्ता हितों की रक्षा और सुरक्षा के लिए, खुदरा बिक्री केंद्रो (आरओ) के माध्यम से आपूर्ति और बेची जाने वाली एथेनाल मिश्रित मोटर स्पिरिट (ईबीएमएस) को लागू बीआईएस विनिर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाता है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज़) ने खुदरा बिक्री केंद्रों पर ईबीएमएस की प्राप्ति, निरीक्षण, नमूनाकरण, डिकेंटेशन और बिक्री को कवर करने वाले डीलरशिप के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) जारी की हैं।

इसके अलावा, नमी के प्रवेश से संबंधित गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को कम करने के लिए, विशेष रूप से मानसून अवधि के दौरान, ओएमसीज़ अधिकारी खुदरा बिंदुओं पर मोटर स्पिरिट (एमएस) भंडारण टैंकों का समय-समय पर वाटर इनग्रेस ऑडिट करते हैं। डीलरों को उत्पाद की अखंडता बनाए रखने के लिए निर्धारित अंतराल पर एमएस टैंकों में जल स्तर की निगरानी करने के लिए भी अनिवार्य किया गया है।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को बिना किसी प्रदर्शन समस्या के सभी पेट्रोल वाहनों के साथ ई20 ईंधन की तकनीकी अनुकूलता और एथेनाल मिश्रण के पर्यावरणीय और ऊर्जा सुरक्षा लाभों के बारे में शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता पहल भी की जाती है। शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से प्राप्त उपभोक्ता प्रतिक्रिया की नियमित रूप से ओएमसीज़ द्वारा निगरानी की जाती है, और एथेनाल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, उचित सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

*****